ओम शान्ति शिवबाबा याद हैं?

Hindi Murli Quiz 01-01-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) यह प्रश्न मुख्य रूप से धारणा पर आधारित है,बहुत सोच कर मिलाएं --

	Choice	Match
A	कर्मातीत अवस्था को प्राप्त करने के लिए-	इस शरीर रूपी दुम को भूल जाना है ।
B	एक बाप के सिवाए कोई मित्र-सम्बन्धी आदि याद न आये,	यह मेहनत करना है ।
C	श्रीमत पर -	खुदाई खिदमतगार बनना है ।
D	तन-मन- धन सब सफल कर,	अपनी ऊंच तकदीर बनानी है ।

Q.2) वाक्यों को अर्थों के अनुसार जोड़ें --

	Choice	Match
A	चुस्त स्टूडेंट बनकर	अच्छे मार्क्स से पास होने का पुरूषार्थ करो I
B	सुस्त स्टूडेंट नहीं बनना,	सुस्त वह जिन्हें सारा दिन मित्र-सम्बन्धी याद आते हैं	
C	कृष्ण भगवानुवाच तो है नहीं -	यह श्रीकृष्ण तो एम ऑब्जेक्ट है I
D	शिव भगवानुवाच कि मैं तुमको राजाओं का राजा बनाता हूँ,	तो पहले जरूर प्रिन्स बनेंगे ।
E	इस पाठशाला का टीचर शिवबाबा है,	श्रीकृष्ण नहीं ।

Q.3) ड्रामा अनुसार --------और सुस्त दोनों ही प्रकार के स्टूडेंट हैं I--------स्टूडेंट अच्छी मार्क्स से पास हो जाते हैं । सुस्त जो होगा उनका तो सारा दिन लड़ना-झगड़ना ही होता रहता है । बाप को याद नहीं करते । सारा दिन मित्र-सम्बन्धी ही बहुत याद आते रहते हैं ।
[एक सही उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

A. ○ रोगी
B. ○ आलसी
C. ◉ चुस्त
D. ○ अलबेले

Q.4) आज की मुरली अनुसार संगमयुग पर सबसे तकदीरवान बच्चों की विशेषताएं क्या हैं ? उनका चयन करें --

A. ☑ वे हिम्मत रख अनेकों का भाग्य बनाने के निमित्त बनते हैं ।
B. ☑ वे समझते हैं कि विनाश सामने खड़ा है इसलिए कुछ तो कर लें ।
C. ☑ वे समझते हैं बाप अभी सम्मुख आया है, हम अपना सब-कुछ सफल कर लें ।

D. ☑ उन्होंने अपना तन-मन-धन सब सफल किया है और कर रहे हैं I

Q.5) **नई दुनिया की स्थापना होनी ही है। साइंस जो अभी सीख रहे हैं, थोड़े वर्ष में वह बहुत होशियार हो जायेंगे। यह साइंस नयी दुनिया में सुख ही देने वाली होगी। नयी दुनिया के बारे में बाबा ने कुछ विशेषताएं बतायी हैं, उनको चयन करें ---**

A. ☑ जिससे फिर नई दुनिया में बहुत अच्छी- अच्छी चीजें बनेगी।

B. ☑ वहाँ सबको अपनी- अपनी खेती होगी।

C. ☑ जमीन भी ढेर होती है। नदियाँ तो सब होंगी I

D. ☑ नयी दुनिया में साइंस सीखे सिखाये चलेंगे और जल्दी-जल्दी काम होता जायेगा।

E. ☑ वहां अथाह धन होता है परन्तु टैक्स आदि कुछ नहीं पड़ेगा।

Q.6) **मनुष्य से देवता गाया जाता है। ऐसे नहीं कहेंगे कि मनुष्य से क्रिश्चियन वा मनुष्य से सिक्ख। नहीं। मनुष्य से देवता बने अर्थात् आदि सनातन देवी-देवता धर्म की स्थापना हुई। देवतायें हिन्दू बन गये। हिन्दू से फिर और- और धर्म में कनवर्ट हो गये। वह भी बहुत निकलेंगे जो अपने श्रेष्ठ धर्म-कर्म को छोड़ दूसरे धर्मो में जाकर पड़े हैं। वह निकल आयेंगे। पीछे थोड़ा ज्ञान समझेंगे, प्रजा में आ जायेंगे।**

A. ◉ True

B. ○ False

Q.7) **रीयल्टी अर्थात् अपने असली स्वरूप की सदा स्मृति। इस स्मृति से होने वाले सभी लाभ चयन करें ---**

A. ☑ इस स्मृति से स्थूल सूरत में भी रॉयल्टी नज़र आयेगी। रीयल्टी अर्थात् एक बाप दूसरा न कोई।

B. ☑ इस स्मृति से हर कर्म वा बोल में रॉयल्टी दिखाई देगी।

C. ☑ जो भी सम्पर्क में आयेगा उन्हें हर कर्म में बाप समान चरित्र अनुभव होंगे I

D. ☑ उनका संग रीयल होने के कारण पारस का काम करेगा।

E. ☑ हर बोल में बाप के समान अथॉर्टी और प्राप्ति की अनुभूति होगी।

F. ☑ ऐसी रीयल्टी वाली रॉयल आत्मायें ही फर्स्ट डिवीजन के अधिकारी बनती हैं।

Q.8) **फिर से नर्क की स्थापना होगी, जिसमें लक्ष्मी-नारायण का राज्य था, परिस्तान था, अभी तो कब्रिस्तान है। सतयुग में तुम महल आदि बनायेंगे, ऐसे नहीं कि नीचे से कोई सोने की द्वारिका वा लंका निकल आयेगी। द्वारिका हो सकती है, लंका तो नहीं होगी।**

A. ○ True

B. ◉ False

Explanation : फिर से स्वर्ग की स्थापना होगी न कि नर्क की।

Q.9) **कुछ बच्चे बाप को याद नहीं करते - याद भी तब रहे जब पूरा ममत्व निकल जाये। बहुत बच्चों को सारी दुनिया से वैराग्य रहता है। मित्र-सम्बन्धियों आदि को देखते हुए जैसेकि देखते ही नहीं। जानते हैं यह सब नर्कवासी, कब्रिस्तानी हैं। यह सब खत्म हो जाने हैं। अब हमको वापिस घर जाना है इसलिए सुखधाम-शान्तिधाम को ही याद करते हैं।**

A. ◉ True

B. ○ False

Q.10) वाक्यों को अर्थ अनुसार मिलाएं ---

	Choice	Match
A	गोल्डन एज कहा जाता है,	राम राज्य को ।
B	हम स्वर्गवासी बनते हैं ,	यह याद रहे तो सदा हर्षितमुख रहेंगे ।
C	झूठ को भी खजाना समझ रखते हैं, छोड़ते ही नहीं,	तो समझा जाता है इनकी तकदीर ऐसी है ।
D	श्रेष्ठ कर्मों का खाता बढ़ाओ,	तो विकर्मों का खाता समाप्त हो जायेगा ।
E	भक्ति मार्ग में कितना माथा टेकते, पैसे बरबाद करते,चिल्लाते,	मिलता कुछ भी नहीं ।